CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-288
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

परेशानिया आये तो सब्र से काम ले जल्दबाज़ी में अक्सर फ़ैसले ग़लत होते है ।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, बुधवार, 22 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की परेशानी बढ़ी

NMCH के छात्र और डायल 102 का स्टाफ हड़ताल पर

पटना, आज पटना के सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए जाने वाले मरीजों को परेशानी हो रही है। इसके दो-दो कारण हैं। पहला यह है कि नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिकल स्टूडेंट का हड़ताल पर चले गए हैं। एनएमसीएच में इंटर्नशिप कर रहे स्टूडेंट स्टाइपेंड की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरा यह है कि डायल 102

के एंबुलेंस के कर्मी भी हड़ताल पर चले गए हैं। इनका कहना है कि नई एजेंसी के प्रति एंबुलेंस कर्मचारियें का कई बिंदुओं पर संशय बना हुआ है। एजेंसी इनका समाधान करने के बजाय मनचाहे ढंग से नियमों को जबरन लागू कर रही है। इसका समाधान किया जाए।

जानिए, मेडिकल स्टूडेंट क्या क्या किया मंगलवार को एनएमसीएच के मेडिकल स्टूडेंट हड़ताल पर चले गए। छात्र-छात्राओं ने अस्पताल परिसर में जमकर प्रदर्शन किया। कुछ देर के लिए रजिस्ट्रेशन काउंटर को बंद करवा दिया और ओपीडी भी बाधित कर दिया। मेडिकल स्टूडेंट की मांग है कि अस्पताल प्रबंधन फंड नहीं आने की बात कह स्टाइपेंड नहीं दे रहे। जुलाई 2024 से वह स्टाइपेंड की मांग कर रही है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसलिए हमलोगों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का एलान किया है।

अब जानिए एबुलेंसकर्मी क्या कह रहे

बुधवार सुबह से ही एंबुलेंसकर्मी गर्दनीबाग धरनास्थल पर बैठे हुए हैं। बिहार एंबुलेंस महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद मुस्लिम आदि नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती है, तब तक धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। एबुलेंसकर्मियों को अनुचित तरीके से ट्रांसफर कर बिना कारण नौकरी से हटा दिया जाता है। यह अन्याय है। सरकार को हमलोगों के साथ न्याय करना होगा।

80 साल बाद बेतिया राजा का संदूक खुला

बेशकीमती गहनों को देख अफसर भी रह गए हैरान

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

बेतिया, बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के मुख्यालय बेतिया के अंतिम राजा हरेंद्र किशोर सिंह की संरक्षित संपत्तियों में से एक संदूक 18 जनवरी 2025 को 80 साल बाद खोला गया, इस संदूक से बेशकीमती गहनों की प्राप्ति हुई है। इस संदूक को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की पटना शाखा के स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखा गया था। अब राज्य सरकार बेतिया राज की सभी चल और अचल संपत्तियों का मूल्यांकन कर रही है। संदूक खोलने पर भारी मात्रा में सोने की मटरमाला और अन्य गहने मिले हैं। इस खोज से यह संभावना जताई जा रही है कि बाकी बक्सों में भी ऐसे बेशकीमती सामान हो सकते हैं। इन बाकी पांच बक्सों को भी जल्द खोला जाएगा और उनके सामान का मूल्यांकन किया जाएगा, बेतिया राज के अंतिम राजा हरेंद्र किशोर सिंह की मृत्यु 1893 में हुई और उनके कोई उत्तराधिकारी नहीं थे। इसके बाद उनकी पत्नियों के माध्यम से राज का प्रबंधन 'कोर्ट ऑफ वार्ड्स' को सौंप दिया गया, बेतिया राज का शासन 1883 से राजा हरेंद्र किशोर सिंह और उनकी पत्नी महारानी जानकी कुंवर के हाथों में था। पिछले महीने

बिहार विधानमंडल ने एक अधिनियम पारित किया, जिसके बाद बेतिया राज की सभी संपत्तियों का अधिकार बिहार सरकार को मिल गया, अब सरकार इन संपत्तियों की जांच और मूल्यांकन कर रही है। बेतिया राज की संपत्तियों के संरक्षण और चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने इन संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लिया है। 1990 में बेतिया राज के दौलत खाने से हुई हीरे और जवाहरात की चोरी को एशिया की सबसे बड़ी चोरी माना गया था।

कुंभ के मेले में मिला गुमशुदा बेटा, 8 माह से था गायब

घर के चिराग को देख खुशी से झूम उठे माता-पिता

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

नवादा, नवादा में 8 माह से बिछड़ा बेटा माता-पिता से प्रयागराज में महाकुंभ मेले की मदद से मिल पाया है। कुंभ मेले ने नवादा से 8 माह से गुम हुआ 13 साल के अमरजीत को उसके परिवार से फिर मिला दिया है। वहीं, अपने बच्चों को वापस पाकर मां-बांप के चेहरे खिल उठे है।

कुंभ के मेले में मिला गुमशुदा बेटा बता दें कि वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के अंबेडकर नगर निवासी सुजीत दास का 13 वर्षीय पुत्र अमरजीत कुमार घर के नजदीक से पिछले आठ माह से लापता हो गया था। परिजन और पुलिस लापता अमरजीत की खोजबीन में जुटी थी। इसी दौरान वारिसलीगंज, माफी गांव के कुछ लोग प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेला घूमने गए थे। उसी दौरान बालक की तस्वीर मेले के पास एक अनाथालय के बाहर लगी थी, जिसे देखकर गांव के लोग बालक को पहचान गए। कुंभ मेला घूमने गए गांव के दिलीप दास ने बालक के माता-पिता को बच्चे की तस्वीर भेजकर बच्चे के अनाथालय में रहने की सूचना दी। वहीं, स्वजन संबंधित पते पर पहुंचकर अपना गुमशुदा पुत्र को

पाकर खुशी से झूम उठे।

8 माह से नवादा के इस गांव से था गायब

स्वजन 8 माह से खोए बालक को लेकर वारिसलीगंज थाना पहुंचे, जहां से पुलिस ने बालक को न्यायालय में प्रस्तुत किया और न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की।

इसके बाद बालक को औपचारिक रूप से परिजनों को सौंप दिया। अमरजीत की मां काजल देवी ने बताया कि आठ महीने के इस कठिन समय में वह और उनके परिवार के लोग बेहद परेशान रहे।

बालक अमरजीत कुमार ने बताया कि अनिल पासवान नाम का शख्स 30 मई को बहला-फुसलाकर गया जंक्शन ले गया और किसी ट्रेन में सवार कर दिया, जिसके बाद बालक को किसी ने प्रयागराज स्थित अनाथालय पहुंचा दिया।

साइबर ठगों ने किया था शोषण

अमरजीत की मां काजल देवी ने बताया कि इस दौरान साइबर ठगों ने बच्चे को खोजने का झांसा देकर उनसे 10 हजार रुपये ठग लिए। ठगों ने UPI के माध्यम से दो लाख रुपये की मांग की थी लेकिन परिवार आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण सिर्फ 10 हजार रुपये ही दे सका। मगर इस दौरान प्रयागराज में आयोजित कुंभ के महाआयोजन के दौरान एक परिवार को उनकी खोई हुई खुशी वापस मिल गई।

वेतन कटने पर तान दी थी पिस्तौल

बॉस को थप्पड़ मारने वाला सरकारी डॉक्टर सस्पेंड

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

बिहार, पटना से सटे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मसौढ़ी के प्रभारी डॉक्टर रामानुज पर पिस्तौल तानने और थप्पड़ चलाने वाले डॉक्टर सत्यनारायण पासवान पर कार्रवाई की गई है। बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है। डॉक्टर सत्येंद्र नारायण मोहन पासवान को अनुशासनहीनता और सरकारी काम में लापरवाही के आरोप में सस्पेंड किया गया है। इस पूरे घटना के संदर्भ में बताया जाता

है कि बीते 30 नवंबर 2023 की दोपहर मसौढ़ी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में समीक्षा बैठक के दौरान डॉक्टर की पीएचसी प्रभारी से अटेंडेंस के मुद्दे पर बहस हो गई थी, इसके बाद उन्होंने अपने बॉस डॉ रामानुज पर बंदूक तान दी थी, इतना ही नहीं थप्पड़ भी रसीद कर दी थी, इस घटना में प्रभारी डॉक्टर जख्मी हो गए और उनका चश्मा भी टूट गया था, घटना के बाद अस्पताल में बवाल मच गया। सभी कर्मचारी पीएचसी प्रभारी के कमरे में दौड़ पड़े और किसी तरह से डॉक्टर को निकाला गया। उसके बाद मसौढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया है।

पटना, नालंदा समेत तीन शहरों में ईडी की छापेमारी

रेलवे क्लेम घोटाले में शामिल लोगों पर एक्शन

पटना, प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने रेलवे क्लेम घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। पटना, नालंदा और बेंगलुरु में कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी के इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। ईडी की अलग-अलग टीम पटना में तीन, नालंदा में एक और बेंगलुरु में एक जगह पर छापेमारी कर रही है।

बताया जा रहा है कि रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए 100 करोड़ रुपये की हेराफरी की गई थी। इसमें रेलवे के न्यायिक अधिकारी, वकील और सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की बात सामने आई थी। इस मामले में रेलवे न्यायिक अधिकारी आरके मित्तल को पहले ही

बर्खास्त किया जा चुका है। अब ईडी की टीम आरके मित्तल और उनके वकील बीएन सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

80 अपराधियों की कुंडली तैयार

10 दिनों में सरेंडर नहीं किया तो घर पर चलेगा बुलडोजर

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

बेतिया, बिहार पश्चिम चंपारण से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां बेतिया पुलिस ने 80 अपराधियों के नाम को सार्वजनिक किया है। इन सभी अपराधियों पर इनाम की भी घोषणा की गई है। इन अपराधियों पर 10 हजार से 25 हजार रुपये तक के इनाम का ऐलान हुआ है। जो भी इन अपराधियों के बारे में पुलिस को सूचना देगा, उसका नाम गुप्त रखा जाएगा, ये सभी अपराधी हत्या, लूट, रंगदारी, आर्म्स

एक्ट और पॉक्सो एक्ट में फरार चल रहे हैं। बेतिया एसपी के द्वारा जिन 80 अपराधियों का नाम सार्वजनिक किया गया है, इन सब पर कई पर आपराधिक मामले दर्ज है। बेतिया पुलिस ने सभी अपराधियों को दस दिन में न्यायालय में समर्पण करने का अल्टीमेटम दे दिया है। आत्मसमर्पण नहीं करने पर इन अपराधियों के घरों का पुलिस कुर्की जब्ती करेगी, इन सभी अपराधियों पर इनाम की घोषणा भी की गई है, इन अपराधियों का पता बताने या इनको पकड़वाने वाले को पुलिस 10 हजार से 25 हजार तक का इनाम देगी, असल में बेतिया एसपी शौर्य सुमन ने फरार 80 कुख्यात अपराधियों की सूची डीआईजी हरिकिशोर राय को भेजी थी, जिस पर डीआईजी ने मुहर लगा दी है। जिसके बाद पुलिस ने इन 80 फरार अपराधियों के नाम को सार्वजनिक कर दिया है। इन पर अलग अलग इनाम की घोषणा पर कर दी है। वहीं आने वाले दस दिनों के अंदर अगर ये अपराधी न्यायालय में समर्पण नहीं करते है, तो पुलिस इनके घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी कर रही है। पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत लूट, हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट माफिया जैसे कांडों में कुल 80 वांछित अभियुक्तों के विरूद्ध इनाम की घोषणा की गई है। जानकारी देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। वहीं अगर 10 दिनों के अंदर इन फरार आरोपियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया तो कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी.- डॉ. शौर्य सुमन, पुलिस अधीक्षक, बेतिया.